आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 22.07.2026 समय : 0705

<><><><><><><>

1. विद्युत मंत्रालय ने होप टाउन में फ्लोटिंग स्टोरेज रीगैसीफिकेशन यूनिट सहित विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की है।
2. 'राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान' के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 पर चरणबद्ध क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है।
3. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पहल 'जेम्स ऑफ इंडिया' चैलेंज में अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह को भी शामिल किया गया है।
4. पुडुचेरी में आयोजित होने वाले शतरंज चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल अगस्त माह में आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने होप टाउन में फ्लोटिंग स्टोरेज रीगैसीफिकेशन यूनिट सहित 50 मेगावाट क्षमता वाली एलएनजी आधारित विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए विद्युत क्रय समझौते और गैस आपूर्ति समझौते को अपनी स्वीकृति प्रदान की है। कल सचिवालय में मुख्य सचिव की उपस्थिति में बिजली विभाग और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के बीच विद्युत क्रय समझौते और भूमि उपयोग अधिकार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही एनटीपीसी और आईओसीएल के बीच गैस आपूर्ति समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना के लिए प्रशासन ने होप टाउन में 0.82 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। इस परियोजना को अगस्त 2028 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

<><><><><><><>

ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थान और शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने 'राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान' के तत्वावधान में द्वीपसमूह के पंचायती राज संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 पर चरणबद्ध क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज प्रतिनिधियों की क्षमताओं को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है। प्रथम चरण के तहत प्रातरापुर, फरारगंज और रंगत ब्लॉक में पंचायती राज संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान प्रतिनिधियों को ठोस कचरे के

वैज्ञानिक पृथक्करण, संग्रह, प्रसंस्करण और निपटान को सुनिश्चित करने के बारे में जानकारी दी गई। निदेशालय ने द्वीपसमूह के सभी शेष ब्लॉकों में चरणबद्ध तरीके से इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

<><><><><><>

युवा कार्य विभाग ने माई भारत पोर्टल पर राष्ट्रीय ध्वज प्रश्नोत्तरी 2026 का शुभारंभ किया है। यह प्रश्नोत्तरी 15 अगस्त तक खुली रहेगी। इससे देशभर के युवाओं को भारत के राष्ट्रीय ध्वज तथा उसके महत्व के बारे में अपनी समझ को बढ़ाने का अवसर मिलेगा। इस प्रश्नोत्तरी में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं। इन्हें 10 मिनट के अंदर पूरा करना होगा। यह प्रश्नोत्तरी भाषिणी के माध्यम से पोर्टल पर कई भाषाओं में उपलब्ध है।

<><><><><><>

अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से ग्रामीण विकास निदेशालय के तत्वावधान में दो दिवसीय मोरिंगा मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य मोरिंगा–आधारित उत्पादों के मूल्य संवर्धन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना था। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को उत्पादक समूहों के गठन, सामूहिक व्यावसायिक योजना, PMFME योजना, ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियों, डिजिटल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म, FSSAI पंजीकरण और बाजार संबंधों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामुदायिक विकास खंड प्रातरापुर और फरारगंज की कुल 35 स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने भाग लिया।

<><><><><><>

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जमीनी स्तर के डिजिटल रचनाकारों की पहचान और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पहल 'जेम्स ऑफ इंडिया' चैलेंज का पायलट चरण शुरू किया है। इसमें अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह को अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, गोवा और लद्दाख के साथ पायलट चरण के लिए चुने गए 6 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शामिल किया गया है। द्वीपों के लिए, यह चैलेंज तीनों जिलों के रचनाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर 'एमराल्ड आइलेस' की पहचान प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है। इसमें जनजातीय संस्कृति, इको–टूरिज्म, स्थानीय व्यंजन, पारंपरिक शिल्प और सामुदायिक उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जा सकता है। इसके लिए प्रतिभागियों को WAVES OTT ऐप डाउनलोड कर अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करना होगा। इसके बाद प्रतिभागी MyWAVES अनुभाग पर

जाकर अपना प्रोफाइल बना सकते हैं। अपने जिले की अनूठी संस्कृति, विरासत, पर्यटन, परंपराओं, इतिहास और उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर करने वाला मूल डिजिटल कंटेंट के साथ प्रविष्टियाँ पहली अगस्त से 31 अगस्त तक स्वीकार की जाएँगी। प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। अधिक जानकारी WAVES OTT प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

<><><><><><>

अण्डमान निकोबार शतरंज संघ की ओर से 39वीं राष्ट्रीय अंडर–13 ओपन शतरंज चैंपियनशिप और 39वीं राष्ट्रीय अंडर–13 बालिका शतरंज चैंपियनशिप में द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का चयन ट्रायल अगस्त माह के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 3 से 9 सितंबर तक पुडुचेरी में आयोजित होगा। इस चयन ट्रायल में ओपन श्रेणी और बालिका श्रेणी में दो खिलाड़ियों का चयन करना है, जो राष्ट्रीय चैंपियनशिप में द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके लिए जिन खिलाड़ियों का जन्म पहली जनवरी 2013 या उसके बाद हुआ है, वे इस चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए पात्र हैं। वर्ष 2026–27 के लिए अखिल भारतीय शतरंज महासंघ का पंजीकरण सभी प्रतिभागियों के लिए अनिवार्य है। तीन सौ रूपये के प्रवेश शुल्क के साथ खिलाड़ी इस चयन ट्रायल में भाग ले सकते हैं। खिलाड़ियों से पहली अगस्त शाम 6 बजे तक एसोसिएशन के कार्यालय में पंजीकरण कराने को कहा गया है।

<><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त कार्यालय की ओर से खेल एवं युवा मामले निदेशालय के सहयोग से शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता पहली अगस्त से 5 अगस्त तक नेताजी स्टेडियम के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल के माध्यम से स्वस्थ, सक्रिय और अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देना है। इसमें पुरूष और महिलाओं के लिए ओपन श्रेणी, 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग और अंडर–18 श्रेणी के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इच्छुक खिलाड़ी अपना नाम पंजीकृत कराने के लिए खेल एवं युवा मामले निदेशालय से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><>

समग्र शिक्षा के अंतर्गत खंड परियोजना कार्यालय की ओर से गर्ल्स स्कूल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दक्षिण अंडमान के सरकारी और निजी स्कूलों के कुल 114 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह मूल्यांकन एलिम्को टीम द्वारा जीबी

पंत अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तमन्ना सेनगुप्ता और उनकी मेडिकल टीम के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्कूल की प्रधानाचार्य अर्चना सिंह ने अभिभावकों से संपूर्ण मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

<><><><><><><>